21.10.24

DATE
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - सातवीं
विषय - हिन्दी व्याकरण

शिक्षिका - सुमन शर्मा
(निबंध)

पुस्तक - वीवा - हिंदी व्याकरण - 7

प्यारे बच्चो, सुप्रभात।

आज हम पृष्ठ-188 आमोद हिंदी व्याकरण की पुस्तक पर दिए निबंध के विषय में पढ़ेंगे। निबंध ऐसी रचना होती है, जिसमें किसी विषय का वर्णन किया जाता है।

वैसे तो आपने अपनी पिछली कक्षाओं में और इस कक्षा में भी निबंध के विषय में पढ़ा है। आइए। फिर से निबंध के विषय में पढ़ते हैं।

★ विचारों की स्पष्टता :- जिस विषय पर निबंध लिखना हो, उसके अनुरूप ही विचारों का चयन करना चाहिए। विषय पर विचार व्यक्त करने से पहले कोई लंबी-चौड़ी भूमिका न लिखकर, संक्षिप्त भूमिका के बाद विचारों को व्यक्त करना चाहिए।

★ क्रमबद्धता :- निबंध में व्यक्त विचारों में एक व्यवस्था होनी चाहिए इसलिए जिस विषय पर निबंध लिखना हो, अपने मस्तिष्क में उसकी स्पष्ट रूप-रेखा बना लेनी चाहिए। इसके बाद उस रूपरेखा के आधार पर अपने भावों और विचारों को स्पष्टता के साथ सुव्यवस्थित ढंग से अभिव्यक्त करना चाहिए।

★ संक्षिप्तता :- निबंधों के विषय में यह गलत धारणा है कि वे लंबे होने चाहिए। जितना लंबा निबंध लिखेंगे, उतने ही अंक मिलेंगे, इस गलत धारणा को समाप्त करने के लिए अब अक्सर निबंधों की शब्द सीमा दी जाती

Scanned with CamScanner

कक्षा-सातवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय-हिंदी व्याकरण (निबंध)

जाती है इसलिए कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक बात कहनी चाहिए। इससे निबंध रोचक होंगे तथा इनकी रोचकता को बनाए रखने के लिए एक बात को बार-बार नहीं दोहराना चाहिए।

* भाषा शैली :- निबंधों की भाषा सरल और गम्भीर होनी चाहिए। वाक्य छोटे और अर्थ युक्त तथा सरस होने चाहिए। भाषा में मधुरता होनी चाहिए तथा व्याकरण के नियमों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए।

निबंध के प्रकार :- जब आप निबंध पढ़ते हैं तब देखते हैं कि निबंधों के विषय कई प्रकार के होते हैं। किसी विषय पर लिखे गए निबंध में घटना, यात्रा, जीवन के उतार-चढ़ाव का लेखा-जोखा देना पड़ता है। कभी-कभी किसी मेले, गाँव, दृश्य, स्थिति और परिस्थिति का वर्णन होता है।

बच्चो! अब मैं आपको गृह कार्य दे रही हूँ।

गृहकार्य:- सभी बच्चे इस बताई गई रूपरेखा को अच्छी तरह से पढ़ेंगे, समझेंगे फिर निबंध लिखेंगे। 'वृक्ष' हरा सोना इस विषय पर निबंध लिखने का प्रयास करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-2)